सहूलियतों के साथ निवेशकों को सुरक्षा कवच भी मुहैया कराएगी सरकार : केशव

लखनऊ। यूपी में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में अपार संभावनाएं हैं। हमारी खाद्य प्रसंस्करण नीति देश में सबसे अच्छी है। यूपी सरकार निवेशकों को अपनी नई नीति के तहत केवल सहूलियतें ही नहीं, बल्कि सुरक्षा कवच भी मुहैया कराएगी। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने शुक्रवार को ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट में आयोजित यूपी, अपॉर्च्युनिटी फूड प्रोसेसिंग : लेवरेजिंग फूड बास्केट ऑफ इंडिया विषयक सत्र में निवेशकों से कहा कि ये डबल इंजन की सरकार है जो आपको और आपके निवेश को सुरक्षित रखेगी।

कहा, देश में सबसे तेजी से बढ़ रहा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, यूपी में भी अपार संभावनाएं

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले यूपी का माहौल खराब था। कोई बेखटक होकर निवेश नहीं कर सकता था। डबल इंजन की सरकार में केवल नोएडा और लखनऊ का नहीं, सभी 75 जिलों का विकास बराबरी से होगा। जल्द ही सारे शहरों और गांवों में 24 घंटे बिजली उपलब्धता होगी। यदि आपको कुछ सुझाव देने हैं सीधे मेरी टीम से संपर्क कर सकते हैं। ये डबल इंजन की सरकार अगले 25 सालों तक चलने वाली है। अपर मुख्य सचिव खाद्य प्रसंस्करण देवेश चतुर्वेदी ने कहा कि किसानों का नुकसान खत्म करने के लिए हमें इस उद्योग को बढ़ावा देना है। आपके सुझावों को किसानों तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। सत्र में पेप्सिको की गरिमा सिंह, मेरिको इंडस्ट्रियल लिमिटेड हापुड़ के एमडी प्रकाश लोहिया, एग्रो बिजनेस आईटीसी लिमिटेड के डिविजनल चीफ एग्जीक्यूटिव रजनीकांत राय, ग्रीन फ्रंटियर कैपिटल एंड एडवाइजर हंट चेयर्स के रुद्र डालमिया ने यूपी की खाद्य प्रसंस्करण नीति की सराहना की। ब्यूरो

प्लास्टिक की बेकार बोतलों से लिख रहे समृद्धि की कहानी

नीरज अंबुज

लखनऊ। प्लास्टिक की बेकार बोतलों को रिसाइकिल कर रिलायंस ग्रुप ऐसा फैब्रिक बना रही है, जिसकी टीशर्ट मुंबई इंडियंस टीम के क्रिकेटर भी पहनते हैं। मॉडल्स भी इन्हें पहनकर रैंपवॉक करती हैं। ये एंटी बैक्टीरियल व माइक्रोबियल भी हैं। इतना ही नहीं प्लास्टिक वेस्ट से तैयार फैब्रिक अब सड़क बनाने के साथ लकड़ी व प्लाईवुड का भी बेहतर विकल्प बन चुका है। यह सस्ता व टिकाऊ होने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक है। यह जानकारी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आए रिलायंस ग्रुप के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, मार्केटिंग राकेश बाली ने दी।

रिलायंस के बाराबंकी स्थित प्लांट में प्लास्टिक वेस्ट से तैयार होता है फैब्रिक

कपड़ा बनाने वाली कंपनियों को होती है आपूर्ति, पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक

उन्होंने बताया कि बाराबंकी में प्लास्टिक बॉटल रिसाइकिलिंग प्लांट लगाया है। यहां हर साल एक अरब बोतलों को रिसाइकिल कर उससे फैब्रिक बनाया जा रहा है। अगले साल से पांच अरब बोतलें को रिसाइकिल करने का लक्ष्य है। इस फैब्रिक को आ-एलॉन नाम दिया गया है। इस प्लांट में ऊर्जा पैदा करने के लिए कोयला, डीजल या लकड़ी की जगह चावल की भूसी का इस्तेमाल होता है। एक तरह से वेस्ट से वेल्थ बनाया जा रहा है। इसे ग्रीन गोल्ड नाम दिया गया है। यहां बनने वाले फैब्रिक देश की 40 बड़ी कपड़ा बनाने वाली कंपनियों को दिया जा रहा है। इस प्लांट को न्यूनतम कार्बन उत्सर्जन का प्रमाणपत्र भी मिल चुका है। इस फैब्रिक से जो कपड़े बनाए जा रहे हैं, उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए फैशन शो भी कराए जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्य का उद्देश्य ग्लोबल इकोसिस्टम को विकसित करना है।

लकड़ी व प्लाईवुड का विकल्प बनेगा रेलवुड : बाली ने बताया कि रिसाइकिल बोतलों से बने फैब्रिक से कपड़ों के अलावा तकिए के कवर, बेडशीट भी बनाए जा रहे हैं। भविष्य में जैकेट व बैग भी बनेंगे। अभी देश में इसकी सप्लाई है, जल्द ही इसे विदेश भी भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि रिसाइकिल प्लास्टिक से सड़क भी बनाई जा रही है। इसी फैब्रिक से महाराष्ट्र में रिलायंस के प्लांट में 40 किमी लंबी सड़क बनाई गई है। लकड़ी व प्लाईवुड के विकल्प के लिए एक नया प्रोडक्ट लाया जा रहा है। इसे रेलवुड नाम दिया गया है। इसे वेस्ट प्लास्टिक व कृषि वेस्ट को मिलाकर बनाया जा रहा है। समिट में रिलायंस का सेक्शन रेलवुड से ही बनाया गया है।